

उदय शम्भु न । लता निवृत्ता ॥

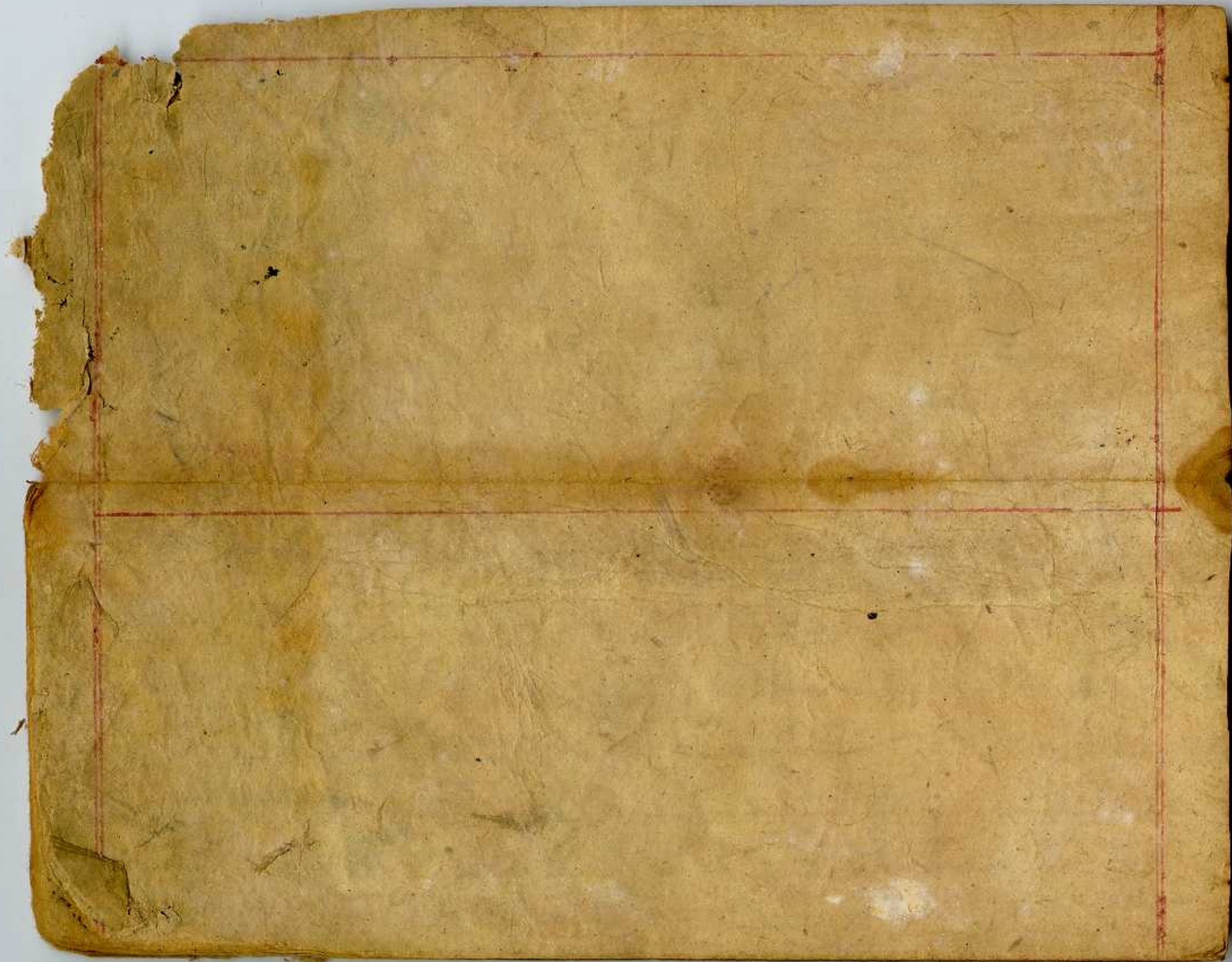
यदि यतति यस्मिन् दिक्कर्मो यान्त्रादीं स्वजनं न विना र्धं लारदा वामला ॥ उद्गुणित्र नि
अष्टकं ०५ अचमस्य ४ कत्रचत्रय दृदिस्मा सर्वसो र्धं ददाति ॥ ॥ स्वेयं दियाम्नतय
दत्तसंयुतासं वान्त्रादीं गतिथयानि जहाग लाया । गत्वा सत्राज गमना ये विचार्य नी
नरानि तं ध्वनस्तस्मद्व ॥ ॥

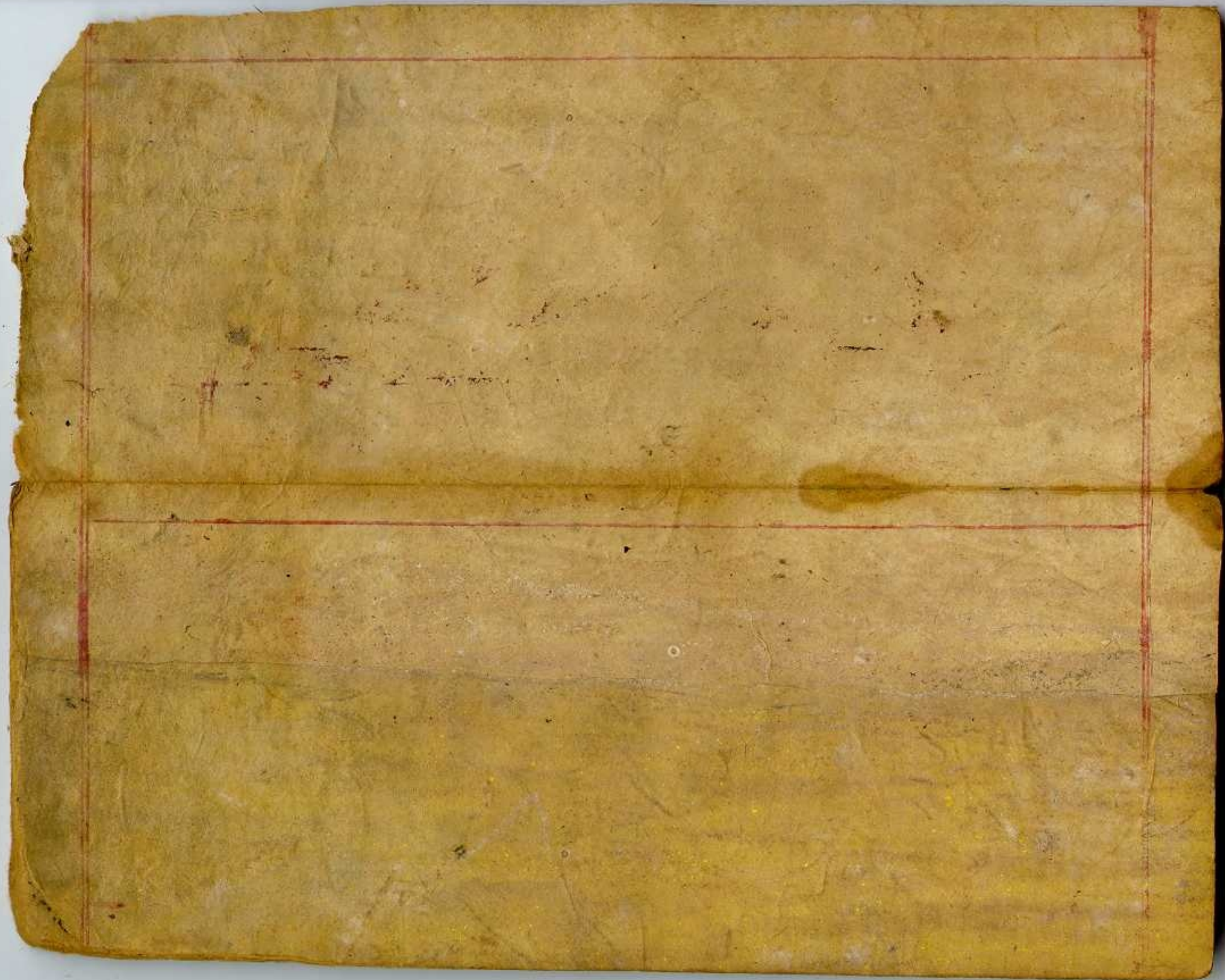
श्री गणेशाय नमः ॥ प्रहसंश्च्य हरेः प्रागः बोधयेद शुभा शुभं ॥ ॥ ॥
महर्षिभ्यः नमः ॥ श्रीके सेन जा भयो ॥ भृगुते कुः ख वा या ति पुष्पे प्रज्ञान जाय
महर्षिभ्यः नमः ॥ श्रीके सेन जा भयो ॥ भृगुते कुः ख वा या ति पुष्पे प्रज्ञान जाय
महर्षिभ्यः नमः ॥ श्रीके सेन जा भयो ॥ भृगुते कुः ख वा या ति पुष्पे प्रज्ञान जाय

[illegible]

1-1

11





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ अथ कर्मव्ययं भक्तं नित्यं ध्यायि
नां धियं । सर्वानन्दस्वरूपं अरुद्वन्द्ववृक्षसर्वगं ॥ भो ह्यन्धकावत
भानां जनानां ह्येतन्नस्मिहि ॥ कुरु मूढवर्णं यन्नृत्तमिनि
वहास्करं ॥ विविधविबुधवन्द्यां तन्नृत्तं वन्द्यमानं यवयच
उत्तरावदाडकाभाजं नृत्तं ॥ नृत्तयतिव्रितिलोकस्था
तिनामा रिषास्य नृत्तयतिजयचर्यानामकं भक्तुमतेन ॥

पश्य सर्वगजहृषासेः संयुक्तं जदिवादिनी । यथापि रंग
मायाति नृत्तयहानस्वनादयः ॥ ॥ सल किमिच्छति पाय
कपूलिनयुक्तुं शलसुतं स्वययावलमयतद्वत्तं वरुंगेश
यव ॥ ॥ नावलं न किम्वीनादात्यामाहवधायनी । या
वत्यगनिनाचकस्वनास्तवदवा नृत्तं ॥ अवनता वीर
यनिस्तनयववाकवलनसंयामस्तमूढं नावनिवन्ध

वलनामनस्वप्रमउभाल ॥ ॥ कथं विविजुयीयुद्धं स्वन
शनविना नृय। घूनव (मु) यिम नउ यथाधचठकय हं॥
स्वनल्लनमसवक्क राजाया कदाचिन रुधालन त्यायूव
किनल सिस नयानध चठक ध शखल लव (थं) धमस
यावथा कमखे थ (थं) स्वेने स्नानमसवक्क राजा रुधाल
न त्यायूमख ॥ ॥ यस्यैकापि गृहे नास्ति स्वनश्च मुस्य चाल

वा॥ प्रमसायायमं नाइ निविर्तनस्य ह्यन ॥ गवर्कं नाजा
या नाइस सा नश्च मुसवक्क खिनमदतताव उक्क
जाया नाइ कलिलमार्थं काउ ॥ ॥ स्वनश्च मुसदा त्यासि
यस्मिन् (ग) उविद्यते। नस्य दंशस्य यः स्वामी जयप्रीतिरु
यं रुधन ॥ (ग) कं राजाया नाइस स्वनश्च मुसवदत उक्क
नाजाया सुदाठ जयशयूव ॥ ॥ दमेकं नश्च वंशव सह

मंसगसंखयास्वनादयवलयार्कदग्धं हन्ति त्रीलया ॥ स्वना
वलदवनाव कृष्णसन् जिह्वं स्या यि ॥ ध्वकधन जिह्ववनाल
मवक ॥ ॥ पृष्ठे वपिनया इव नृये हानि स्वनादयेः ॥ स्वनाद
यवलया फया इव नृये हानि स्वनादयेः ॥ स्वनाद
वकाटिगमुआदाव अलसी लायतव ॥ ॥ स्वनादः नृक
हन्ति वदे वहा मनु योल कः ॥ कवली विलु धा नाहः कधिर्
नत्तय च क ॥ स्वनाद वक्ता नृक न स वक्ता आति क स वक्ता मनु

स वक्ता कवली विश्वास वक्ता थंदा क्ता ना जाया न लभाय ॥ ॥
यामल पृच स वक्ता वात्य कानि स्वनादय ॥ अधूना नानि वक्ता क
स्वनाद कानि विंशति ॥ संयुक्तु यामल तनुम स्वनादय स धाया
वतया तु लि नियतु ल स्वनाद क जिह्व धाय ॥ ॥ माणव (भु)
ग्रहा जीवा नागिरा चि तु कागको दादग्ध दि कचर्क च ववयि
ननु मासि कं दा हि कं ति पि चर्क च घटि स्वनाद समन्वित ॥ ॥ नृ
धातः संयव वक्ता पि या काय वक्ता यो मल माण दिह दिह नाना

[illegible][illegible]

हि ॥ ददावज्जादक्याग्वगुलिनामनदनग्वगुलिनामसल
नानवत्रउगुलिनामया आदिआखलेधादेआखलसग्वगु
लिखननविदगलउगुलिखनधायमागसवधाय ॥ ध
नमागसवचक ॥ ॥ आदिलनालिखवैरुनसवराधाद
लमिगाननियकेवकिंकमधेवयंचरिसत्यकाहकी ॥ नन
नामादिनीवेरुमसोत्तनादधःकिंन ॥ ससवससवसुस
वसुसवगुहायन ॥ मनूयाया नामया आदिसग्वगुलिआखल

धानउगुलिआखल ग्वगुलिखनयाकाधसथानाउगुलिवसु
सवधाय ॥ धनवसुसवचक ॥ ॥ अथावालः कुमारग्वय
वावडासुगसुथा ॥ निजावसुसवचनरुलदानाउससय ॥
ग्वगुलिथवसवचकलउगुलिवात्रधाय ॥ अनलिथगुलि
कुमारधाय ॥ धनलिथगुल्यवाधाय ॥ धनलिथगुलिद
धाय ॥ धनलिथगुलिमृगधाय ॥ धवनामर्थधयारुले ॥
किंलिताकवावालः कुमारहृदलाहदः ॥ सर्वसिद्धिपूर्वा

धरु दृष्टं हानि मृतं कथं ॥ वा न स न रा न ला त क मा न स व न्नि
ला ह य वा स स व र्णु ला ह दृष्टं हानि मृतं स कथं ॥ ॥ या ज
य दृष्टं वि वा द च न स च न न जा वि न । वा न स न रा न ला त क मा न स
दि मु त मु त ॥ या ज स रु धा ल स न्या व स न द स रु ल स न क वा ग
न क व स धु लि स वा न स न म र्ति ॥ वि वा हा दि न रि ढ क म्म सि रि
द ॥ ॥ स र्व ष म्भु त का र्थे ष या ज का ल वि न ष तः । क मा न क
न र्ति सि दि स ग म स क ता ज यः ॥ ॥ स र्व ष म्भु त का र्थे सि वि

न ष न या ज स क मा न स न रि ढ रु धा ल स रु धा ल स थ म क्ता
व स लि मा ल स त्या य व ॥ ॥ स र्व का ल वि वि व र्णु स र्व या पि न स
स या न स मा ल स र्व य त्र न व र्णु वि क र्ण व ला व ल ॥ स क ल क म्म सि
व र्णु स न वि वा न या य मा ल ॥ ॥ मु ता मु त व स र्व ष म्भु य ता
दि सा ध न । स र्व सि दि य वा ध र्ण या ज य दृष्ट वि ष ष तः ॥ रि ढ क
म सि न रि ढ क म सि म नु य ता दि क म सि य वा स न रि ढ ॥ वि ष ष
न या ज स रु धा ल स रि ढ ॥ ॥ दो न द वा र्ध न दी का न र म नु य

कलयन् । वृद्धस्य भ्रातृवत्तथा बालस्य । गमद्वयं गमः ॥ दानविषयस्य दं
वयं जाते दिक्षात् गताश्च दमन्तु कायस्य वृद्धस्य न तिरु हृत्फलसंन
ति या जाते तय दयू ॥ ॥ विवाहादिगुणैर्वत् सर्वं संयमाद्यगुणै
तथा नृकर्तृव्यं नृतिः किञ्चि ज्ञातं मुख्यस्य वा दयं ॥ विवाहादिन
तिरु कर्म हृत्फल आदिन संतिरु कर्म धस कर्तृ मतिरु मुख्य
स्य न स ॥ ॥ मृगा बालस्य तथा वृद्धि कर्मा न सन्तु हृत्फलः । यथा हृ
न वलां सर्वं ज्ञातयाः स्य न वदि तिः ॥ मृगस्य न आस वानस्य न वल

लाक बालस्य न आस वृद्ध वल लाक वृद्ध आस कर्मा न वल लाक
कर्मा न आस यवा वल लाक ॥ मृगो मुख्यस्य न पाक य निपाक स्य को
यक । गत्काले या न शं घृद्धं विजया ह व नि कर्व । मृग्या मुख्यस्य
न शव वल स थ व म व स्य न शव वल स हृत्फल या य सिद्धि ॥ ॥
वाम न स हानि न्य न आ न सा मन स कर्त्त गल शय व ॥ वाम ग
यि व इहिके शय व प्र जा पी ज शय ॥ कल स स आ न सा यद्ध य
यूव हृत्फल न वय बाल शय वी ना स आ न सा ना पी सि य व र्व

चल विनश्यद्वय पृथास यजामास ॥ कुण्डल वनयद्वयमागुलि
स आनसा कुण्डल गे शय ॥ द्विपकस आनसा दह को वक्ष हियूव ॥
नरुस आनसा कदा वगय ॥ आसनस आनसा ना जा हय ॥ गुरु
ग्रह नार्य आनसा अगिवा नरुलस माको हलमशव ॥ वक्रशल
साया यय हनार्य आनसा महिद हल विय ॥ न ना अं आ थूति
नार्य मस आनसा उरु वया कुण्डल ग ॥ न ना अं व वं थूति नार्य आ
नसा पूर्वया कुण्डल ग ॥ न ना अं आ पु वं थूति नार्य आनसा दकि

नया कुण्डल ग ॥ गधमनिधा दानमहिद हल अर्थ वदस्यति हि
द हल ॥ यायय ह पु रय ह आ वं कुण्डलिस आनसा कुण्डल ग ॥ ॥
सिंहासन चक्रया ॥ अन्धयति गजयति न वयति ॥ बाधा वनक
उस ननि न्य व आनसा हथा लन वय अथवा ना गन कयव ॥
पलस आनसा नाथी यामहि ॥ मन्दी याको ययामे हि ॥ सिंहासन
स आनसा मृत् शय ॥ यायय ह नार्य आनसा वक्रशलसा वं ल
मानार्य आनसा ननि न्य व कालस्व वय गधं ननि न्य वया

महिरुलमर्थं वरुहस्यतियाहिरुल ॥ ॥ यथाकर्मचक्र ॥ कलिका
दिनवाय ॥ गनेनानि ग्यत्रवात अने पाधि करुल ॥ वाहकिंगम
वाहूमगमय कोल वस वय चुये को दय मंग लय को दय ॥ थव
नथ वन लाय रूय अथ वाभ व व लाय मासि व ॥ दम कर्म न
गत्र कर्म के उ कर्म थ (थ) ॥ गुरु कर्म या रुल विसख ॥ क्युनाम
आदिनवाय ॥ दधसग निग्यत्रवनसा सा कसं नाय रुये ॥ पूर्वसि
त्यत्रा (ग्रस) नित्य दकिता समुत्थितय ॥ नैमसस राकसया

रय पाधिसस तु र ॥ वायव्यस वमुहय ॥ उरुनस ला र ॥ गान
ससिद्धि ॥ मृतिगुरु कर्म ॥ ॥ यद्यचक्र ॥ कलिकादिन वख तु य
धी ॥ गगु लिख तु स गनि ग्यत्रवाता उगु लिख संमर्ति ॥ ॥
वाहकालानल ॥ वाहनहा गया दान के उ मुख धाय मुखन जि
मदा ग्वल न के उ य चु धाय वाहनहा गया य धूढन के उ ग्य ॥ ३
जीवय क धाय ॥ हा गया यग दान के उ ग्य ॥ ३ मृगय क धाय ॥ जी
वय क स च नुमा मृगय क स न्नादित्य थयिं वल स याग तु र ॥

ब्रकाथनचानसाहानि॥चंडुमासूर्यं जीवयकसवनसाहधाल
सुअयशय॥चंडुसूर्यंमृतयकसवानसाहानि रंगमेल्यशय
व॥जीवयकसचंडुवाकवल्स कार्ययाका नमृतथंतिंद॥
मृतयकसचंडुवाभाभयाका कार्यनुस (धंमतिंद॥ ॥
षडभराक॥नाकयाक उसआदित्य नगलसचंडुमा कवक्ष
याजय रुवयारंग॥क उससूर्ययाथसचंडु जायियाजय का
मिआरंग॥क उससूर्य गुउसचंडु कयाचुथाल वयि लिभाल

कवक्षयाय॥क उससूर्य द्विथ नसचंडु कवक्षवय रुवया
य॥क उससूर्य कयालसचंडु न कया रुक्मि न दधाल शय॥क
उससूर्य क उसचंडु न गुलियो क न क रुय॥००तिमूखादिथाग
रगुलि॥ ॥नगलसआदित्य याथसचंडु कवक्ष याजय रुवक्ष
यारंग॥नगलससूर्य गुउसचंडु कवक्ष या लाय रुवक्ष याव
य॥नगलससूर्य द्विथ नसचंडु रुवक्ष याय कवक्ष वय॥नग
लससूर्य कयालसचंडु रुवक्ष तति लाय कवक्ष वय॥नगलस

हृत्पद्म उतसर्वं कवक्कवयू रूवक्कल्लाय ॥ नूगलससूर्यवंड क
वक्कल्लाय रूवक्कवयू ॥ नूतिहुदयादिभागवत्कं ॥ ॥ यथसे ॥
याथससूर्य गुत्तसर्वं कवक्कल्लाय ॥ याथससूर्य क्रिये
नसर्वं रूवक्कल्लाय ॥ याथससूर्य कयालसर्वं रूवक्कल्लाय
॥ याथससूर्य उतसर्वं रूवक्कल्लाय ॥ याथससूर्य नूगलस
र्वं कवक्कल्लाय ॥ याथससूर्यवंड मितयइयव ॥ नूतिउदग
दिभागवत्कं ॥ ॥ गुत्तससूर्य क्रियेनसर्वं रूवक्कल्लाय ॥ गुत्तस

सूर्य कयालसर्वं रूवक्कल्लाय ॥ गुत्तससूर्य उतसर्वं गउ
रूथल्लय ॥ गुत्तससूर्य नूगलसर्वं कवक्कल्लाय ॥ गुत्तससूर्य
याथसर्वं कवक्कल्लाय ॥ गुत्तससूर्यवंड कवक्कल्लाय
॥ नूतिगुत्तदिभागवत्कं ॥ ॥ क्रियेनससूर्य कयालसर्वं रू
वक्कल्लाय ॥ क्रियेनससूर्य उतसर्वं रूवक्कल्लाय ॥ क्रियेनससूर्य
नूगलसर्वं कवक्कल्लाय ॥ क्रियेनससूर्य याथसर्वं कव
क्कल्लाय ॥ क्रियेनससूर्य गुत्तसर्वं कवक्कल्लाय ॥ क्रियेन

सूर्यचंद्रमं वर्य ॥ ग्नीयुक्तादिशागवर्क ॥ ॥ कपालस ॥
सूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥
कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥ कपालसूर्यचंद्रमं वर्य ॥

गंगायागसा मनन लया गुलि आसिद्ध शयू वा ल विधि ॥ निष्कलन
कणस यागसा मितययायू व वलान विधि ॥ अनिगत कणस
यागसा आसिद्ध शयू दा विन विधि ॥ गुणन कणस यागसा
गसा आसिद्ध शयू न लान विधि ॥ वाजसन कणस यागसा यागसा
पशू रंग शयू दा विन विधि ॥ नामसन कणस यागसा यागसा सल
किनि धन रूय वलान विधि ॥ वृद्धन कणस यागसा यागसा सैयुर्दु
रूय वल विन विधि ॥ मृगन कणस यागसा यागसा लयन कय वा

लुकिं वि॥ जिहान कउस याज यागसा लंग इय धन हय उभ
उर्न॥ दभेग नाक॥ ॥ अथ सूर्य कालानल चक्रे॥ सूर्यशंगदि
॥ जिहान या कान दथं निह दिय नामन कउग ना ला गा मना याह
सहाय कान चोद सा ग्वल स लाग सा न गल म कि निव॥ कन चा
ग्वल स ज वख वख ग्वल स लाह॥ लिंग न ग्वल स नाग॥ जिहान
ग न ल स मूर्य॥ विवाह स लाय स रुधाल स नागिया याग स
ध चक सहाय॥ ॥ अथ चक्र कालानल चक्रे॥ चक्र शाग न साय

॥ पूर्व या जिहाना दिन दिय नामन कउ चोद था सगा जिहान स ला
कला मूर्य॥ यिव न चो ग्वल स मधम॥ इव न चो ग्वल स लाह द
यव॥ दधि हयि सुख इख साय वय ध चक सहाय॥ ॥ अथ
धान कालानल चक्रे॥ दिन न कउ न वाय नामन कउगा
सूर्य या को था स ला न सा सा क चं लाह न मूर्य व वृदि व गुल
गुलाह न हय ना घाल के मूर्य आन स विवाह स रुधाल स
ध चक विधान याये॥ ॥ गुरु को लाले ने चक्रे॥ चंद्र शाग

मन्त्रमाला

A small, dark, abstract drawing on a light background, possibly a sketch or a small painting. It features several dark, irregular lines and shapes, including what looks like a small, dark, irregular shape on the left and a larger, more complex shape on the right. The overall impression is that of a quick, gestural sketch.

[illegible]

श्रीमद्भक्तिकवि

P45

ASNA ARCHIVES

नक्षत्रादित्य धानसा अकक्षरु धालवत म न व ॥ वाका धा स वा
वाय ॥ अथ वा सनाय गि या नाम न वाय ॥ ॥ जीवय क अकल न क
उ इहा व द न क उ थ क दा ता वि य ॥ वा त स्र त मृ त स्र त उ म न क उ
थ (ध लो क य नि रु धा ल व न म न व ॥ या य य ह ग्व गु लिन इ हा ला
अ गु लिन इ हा य ॥ पु र ग ह व क श या व ग्व गु लिन वि हा य ॥ ह
व ल वि व न ला ग क ॥ न्ति क वि व क ॥ ॥ अथ ग ड व क ॥ कि
मि या नाम न क उ श दि न वा य ॥ क उ नि स ग न ग नि न्ध व थान

अन वि वा न या य ॥ क उ स सा थ स नि खा स म स क स वा थ स ग नि न्ध
न थान सा रु धा ल स ज य श य ॥ उ गि स इ ग थि स क्रिय न स क स
या त स ग नि न्ध न थान सा मृ त् श य ॥ कि नि व आ न वी व म इ कि
नि व आ ल या सा म इ कि नि व आ ल न्ध म इ ॥ कि नि व आ ल ग म
म इ ॥ ॥ अथ अथ व क ॥ स ला या नाम न क उ न वा य ॥ क उ नि स ॥
क उ स वा थ स नि खा स क या ल स ग नि न्ध न थान सा रु धा ल स ज य श
य ॥ क स या त स उ गि स इ ग थि स क्रिय न स ग नि न्ध न थान सा रु धा

लसव्यू॥ ॥अथननिचक्रं॥ननिधनवादानकणदिनवाय॥ना
 मनकणुवाकथासहस्राय॥अथउसहानिजवलाहानिसकय॥
 उगिहकासंशयमालिव॥नूगलसलक्ष्मीदयू॥खवलाहानिसकय॥
 कयालसनाकलाह॥मिखासगुण॥गुणसमर्थ॥ ॥अथसवाच
 कसाय॥स्वामीयानामनकणनभवकयानकणतादिय॥सवक
 यानकणनस्वामियानकणतादिय॥निनसलाहसावाथसलाहसा
 सहल॥उगिहइगमपसलाहसानिरुह॥निननयुक्तवाथनया॥ ॥

अथ अथ का दिन क ॥ अथ कनक उ स गान सा न नान व सु लय ॥ मंद
 सावन स गान सा यत्र या दान उ निलये ॥ मध्ये सावन स गान सा ताका
 लन उ नि द न द य ॥ स सावन स गान सा लय मख ॥ ॥ अथ नेव
 चक स घाल शय स य ॥ सिया थि या नाम न क उ दिन वा य ॥ ग्य गुल
 धा स आदि य अ न म न नि न्य न रा द्वा ना अ गु लि धा स च नु वान
 सा अ गु लि अ ग स घाल शय ॥ ग्र ह आ ग ति ति न न वा न क या क थ न
 घाल शय ॥ व क श ल सा इ र्ग वि ल क उ श ल सा व वि मृ ग प क श ल

साधु ऊरुय नल लनसा धूमरुय खल नसा सिंह रुय थथव ग्रसिय
धंकयासिन लानवललाक लानयासिन रासरवललाक रासरयासि
नवषरवललाक वषरयासिन गजवललाक गजयासिन सिंहव
ललाक सिंहयासिन धजवललाक धजयासिन धूमवललाक क
थं थं लि व न वललाक ॥ राजायाक सऊयाक गमस दमस गुरु
याक मिसायाक कस थचकु विवा नयायमाल भवया वमस थवव
गवलला नसा लारदय ॥ थववग वलमला नसा लारम ॥ ॥

मधसाध लनचक ॥ ककुल निचाय ॥ मषादिन थककुल निस उरवा
दिन मषीसन्ध सनम दूयकावगय भवसयुतव वषस विरव थथ
नय गकुल वषसि गवकुल सन्ध सनम रुतं अकुल सन्ध सनम गकुल
गनिस लान अकुल गनिस साय ॥ देगु कुयाया इकु कु दकिरारु
लसाय गवकुल रुगानवान अकुल रुश्रनागय वषस दमस ग
कादमस रुगीयस ययय रुधानसा कुकुल रुया किल्याखनयन
क्या नसतम ॥ गुरुय रुश्रमस दामस थन नथान बाहिके

न लाखतय स्वकुरुतवानसा इगं विगतय उच्चससा दतय मऊकउस
वकिरुलनय ॥ नीचमरुलमइ ॥ आषाठं कुयायाइ कंकवलिखाद
यमदयसाय ॥ काकं कुयायादूककुसा दयमदयसाय ॥ थ
कृपुधायारुल ॥ विजाघनदवया ममयासाय ग्वगुलदमया मम
या ग्वगुल नागिरुल अनामिया हामिकयहन लाखविलसा गु
हिकंशय ॥ लाखमदतसा इहिकंशय ॥ अकयह मिउउदासीन
मऊनीच उच्च सयावरुल काय ॥ मिउउच्च इलसा इगं विरुलवि

यूउदासीन इलसा मारिकशय मऊइलसा नीचइलसा इहिकंश
य ॥ ॥ अथयायतवंदयकं ॥ सूर्यशागदिन चंदरागनकं उभाक
यालस विसवनिव ॥ कसथातस चंदमावानसा मऊइलसनवा
सिव ॥ दयालाहानिस दयाउतिस वंदवानसा मऊलायदय ॥ अ
वउतिस कुवलाहानिस चंदवानसा सयतिकथस कासइल ॥
अथसकचंदचकं ॥ सूर्यशागदिन चंदरागनकं उभादियला
कथसयारुल ॥ उतिसचंदमावानसा दासइल कयालसखवला

हातिस चन्द्रधानसा सियू॥ जवला हातिस चन्द्रधानसा ह्याललायम
मालकं गजविशहयदयू॥ ॥ अथवाक्चन्द्रचक्र॥ जमनकउन
चन्द्रशगनकगगादिम विवन्न कयात्स चन्द्रधानसा गजुलायम
यू॥ दयाला हातस दया उतिस चन्द्रधानसा गजुलायू॥ जवउतिसज
वला हातिस चन्द्रधानसा गजुखन आकादयू लायहयूमखू॥ कवि
यूदस धम विचानयायमाल मयामगमक॥ कनगुरुचन्द्रमावनाय
धानसा वक्रयहनायधानसा हानचन्द्रकुलसा चन्द्रमाकुलनमवा

व॥ ॥ खवला नि॥ जिमनकाथाकतुलीनय॥ भवादिनसूर्यवाकश्रदि
ननयसिद्ध २ असनयायू जवसलिवनसलातकमाहामात्रिहमी॥ ॥
कउयालरुमि॥ पूर्वनादिनश्रकाथनवायू वेणदिमास ग्वगुलदिग
सउदयशत आगुलिदिगनिह कुयहलकुयहल कउयालीरुमि॥
दयावश्यव॥ जवसलिवनसलातक जयशयू॥ खवसकुवनश्र
गुरु॥ ॥ अथवउयारुमि॥ पूर्वनादिनवागुलिदिगसथायपूर्व
सवेगयाय अनयगुगुदिगसवेगखधनलिददिहसश्रव

गङ्गा नत आचार ॥ पश्चिमस्य आवन ॥ आ (यस्य ला द) ॥ उरु नस्य श्रुति
न ॥ नैमल्यस्य कारिक ॥ पूर्वस्य गङ्गा निल ॥ दक्षिणस्य योष ॥ पश्चिम
समाध ॥ उरु नस्य ला द ॥ सो नमास नसा य ग्व गु लमास ग्व गु ल
दिग न नान् अ गु लदिग निध दूला वशय ॥ कृ कृ कृ ॥ जवस
लिवनस्य जय ॥ ॥ ॥ अथ जाल ध नरु मि ॥ द्वाया ग्व गु लदिग स
मास उदय कल अ गु लिदिग स जाल ध नरु मि ॥ उदय शय
रुहित किता वानि व ॥ जवस लिवनस्य जय ॥ ॥ जयलक्ष्मी रु मि ॥

जवस लिवनस्य त क जय शय ख वस द्वा वनस्य र ग शय ॥ ॥ ग कि रु
मि ॥ लिवनस्य त स जय शय ॥ ॥ व ग रु मि ॥ ग्व गु लिदिग स ध वना
मया आदि श्रुत ल वाना नून निध वा य रु ल वा य रु ल हि सा व वा
निव ध ग न ला त अ गु लिदिग स लिवनस्य जवस ॥ ॥ अथ ग ला
ल व ल व क वा या ॥ न क ज या द श क उ कि द टि स निय क स न गु ल
या य ॥ रा ग ८० का य ल व स अ वि नी आदि न न या व न क उ न न
न अ वि नी रु ल कि रु व ला रु ल सा न स न न न न स न न लि निय क

सप्त उयल रुका वाय सुंदर्या खस दिन न करु निरुदिय विवल सार
नली न करु न स व ल सा कहिका थ कम न सिय रुला ॥ ॥ नाडि
वका ॥ कुठु डिनाडि स मिजन नयान करु मि सा यान करु थान सा म
रिद ॥ जन्म न करु सि व सा जन्म न करु थान य म सिल सा नाम न करु
उन सा य ॥ कुक्र या जन्म न करु कुक्र या नाम न करु उन सा य म न व ॥
न क्र या नाम न क्र या जन्म न सा य ॥ थान थान नाडि स न क्र या न
करु लाग सा मि सा याम रि ॥ द थान नाडि स लाग सा न क्र या मि रि ॥ का

थान नाडि स थान सा मिजन याम रि ॥ स याति क वं ध याग सा न नान रु ल
विय ॥ ना या क वं ध याग सा ना का ल रु ल विय ॥ गु व व मि थ व मं गु
व थ म व द व व थ म व कुठु डिनाडि स लाग सा मि रि ॥ ना जा व स व क
व थ म्मा व थ म व द थ व थ म व कु व थ म कुठु डिनाडि स लाग सा
रि ॥ या य ग्रु द थान नाडि स थ व न करु लाग सा मि रि ॥ गु र ग्रु द थान
सा रि ॥ ॥ अथ का उ व क ॥ का ० या नाम न करु अ दिन थान ॥ या
य ग्रु इ न व न सा का ० ना सि व ॥ या य ग्रु रु खाल स थान द सा रु मि

सनिवकाथमचाव ॥ यायग्रहयी नवानसा कवकद्रुक ॥ यायग्रह
इनं गुरुग्रहयी नवानसा निधयनवातिव ॥ इनं गुरुग्रहयी
नयायग्रहयी नवानसा काथवातिवमष ॥ थक्रयायग्रहइनं खाल
सगुरुग्रहयी नवानसा रुंदयाकावहथालममालकं वातिव ॥ खा
लसयायग्रहइनं गुरुग्रहयी नवानसा काथवालं थंवलसनीक
वक्रवसवय ॥ इनं गुरुग्रहयी नयायग्रहयी नवानसा कववकयनि
रुथालमयां सविशवय ॥ खालसयायग्रहइनं यायग्रहयी नं गुरु

ग्रहयी नवानसा रुथालममालकं वनववातिव ॥ इनं गुरुग्रहखाल
सगुरुग्रहयी नयायग्रहयी नवानसा रुंक्रादिनदेवयनिवनसां म
वाल ॥ खालसयायग्रहयी नयायग्रहइनं गुरुग्रहयी नवानसा रु
निकाथसनिववातिमख ॥ रुमस गुरुग्रहयी नवानसा वातिमख ॥
रुमसयायग्रहयी नवानसा ननानं वातिव ॥ यानं खालसगुरुग्रह
इनं यायग्रहयी नवानसा काथनायकनथमं काथलवक्रासवियव ॥
यिनयायग्रहइनं यायग्रहखालसगुरुग्रहयी नवानसा नं गुरु

सैन्यरुय ॥ खालसयायग्रहयाभंइनंभुतग्रहयानसाभखया
उतिरुधालशयूव ॥ भुतग्रहयायग्रहयाभंइनंभुतग्रहयानसाभ
यानसाभालसयानसाभयावगवहधालशयूभभुतिसैभय्या
कगकभदिकेरुय ॥ यानशालसाइनंशालसाउतियायग्रहभु
रग्रहयानसामिलययाय ॥ यायग्रहयादधामसर्गशयू ॥ भु
रग्रहयादधामसजयशयू ॥ इहावनकंउकुकुचानकोथसह
धालकय ॥ यिहावदनकंउकुकुकोथसयादयनिभंनचाकस

दधवचादवलसयानचादयनिकुदाकाविय ॥ इहावदनकंउ
सइनंयायग्रहवकशयावचादसाकोथचातिव ॥ खालसयायग्र
हवकशसयानसाकवन्नरुय ॥ यानयायग्रहवकशसयानसा
यवथवनलयायइतिरुशयू ॥ कवन्नया ॥ यिहाववनकंउसया
भयायग्रहवकशयावयानसाखालसतिव ॥ खालसयायग्रहव
कशयावयानसाकोथचातिव ॥ कोथसयायग्रहवकशसयान
साकोथसयादयनि कोथमालनावविभवतिव ॥ गधयायग्रहया

हलमशि अर्थं गुरुग्रहं ॥ वृहस्पतिवन्दमा उशनसा क ॥ वृधगु
कर्वे का ना वसा क ॥ आदिश्र अंगन धसा क ॥ गनि ज्य वना क का
सा क ॥ धसा क य हवल लाने सो यत वाय उशनसा क य हवल लान
सा का थवा लखन ॥ कासा क य हवल लान सा सूरंग मय ॥ का थस
सूर्य वनसा लखम दय ॥ चंदवनसा का थवा लिव ॥ अंगनवनसा
मिरय न चातिव ॥ वृधवनसा ना ना वृद्धि दय कि ॥ वृहस्पति व
नसा नसा लख अदिक दय व ॥ शुक्रवनसा चंचल शय ॥ गनि ज्य

वनसा भागा शय ॥ नाशवनसा त्या का मय ॥ कउवनसा का
थनाय क यसन कि व ॥ धर्थ धूलि ग्रह यि हा या वधानसा धा के रु
ल के व के यता शय ॥ कलवद क्रया स्वा मि क्र ग्रह इम चा नसा
का थया स्वा मि क्र ग्रह यि व न चा नसा धर्म का थना ल गा व विय ॥
अका वा दिन ख न यू वा दिन वा य द धू स ड का न ला य व अर
खन ला क धा स धा ल खान ॥ का थया म ख न वा न ला क क मृ ग ख
न ला क क य ड या य का थवा लिव ॥ नृ नि का उच क मि ति ॥ ॥

॥ विनिष्कृजक ॥ यवजन्मनकर्षनिष्ठदियजन्मसाग्वजनक्षजसया
ययहनवधयागसासूर्यशय ॥ गुरुयहनवधयागसाजयशय ॥
गुरुयहनवधयागसादयजिह्वल ॥ जन्मसाग्वजनगनिस्थ
वधादसाकमनागसागदुर्गमवधानसासूर्यशयनिमिजस
सूर्यधादसासिर्यरुकरैरु ॥ जन्मसाग्वजनकमनागसावधगु
कमिगमिगमिगसचतुमाधादसाजयशय ॥ ताहदय ॥ विपला
गासयसविगागासनिधनगागासत्रोगशलसातालायवमखया

ययहनवधयागसासूर्यशय ॥ ॥ सफसलाकाचक ॥ कर्हिका
दिनदिययाययहनगालगानकजयायगुरुधादनकजयाय
यहनवधयागसादयजिह्वल ॥ जन्मसाग्वजनकमनागसावधगु
कमिगमिगमिगसचतुमाधादसाजयशय ॥ ताहदय ॥ विपला
गासयसविगागासनिधनगागासत्रोगशलसातालायवमखया

अथ सफना उचक्रं ॥ कर्तुं कृदिन दिव ॥ पायय रुया नाति रुकाया
न्यनाति धाय ॥ गुरुग रुया रुका सोमना ति धाय ॥ वरुस्य नि या रुका
सधना ति ॥ य ॥ कृत्तुलि नाति स न कृत्तु रुवनसा ना ति या रुस वि
यू ॥ वंडना दि स चंडा दि न न कृत्ता कृत्तु रुवनसा ना य ना यि
व ॥ वायूना ति स वनसा रुस वयू ॥ दहनना ति स वनसा नवन
य रुयू ॥ सधना ति स वनसा सधम रुस ॥ नीनना ति स वन
सा रुवयव ॥ अतना ति स अत नना ति स वनसा वागय ॥ या

यय रुया ना ति स पायय रु गुरुग रुया ना ति स गुरुग रुवनसा
धाका रुस वि यू ॥ नंगन रुका यगु लना ति स वान वगु लना
दिया रुस वि यू ॥ यगु लना ति स चंडमा वाना अंगुलि ना ति स
गुरुग रुया यय रु वानसा धकृत्तु न ववागय ॥ कृत्तुलि न
कृत्तु स पायय रु गुरुग रु वाना नि व आमा ग रुया अंग स चंडमा
वाना ल वागय ॥ गुरुग रुन रुका वध या नसा अथ वा या य
य रुन रुका वध या नसा चंडमान धकृत्तु वा रु नि ग कि व ॥

दयशिवयश्चक्रग्रुया नातिस्वंदमावा न अक्रग्रुह न न
हमाख निव नसा नार्यवानसा तव वागमय ॥ को न चंदम इलसा
अमृगनातिस्वंदमानसा अगुलिनातिस्वुह्य हंयाययहं
वनिव नक्रवनसा कृक वागमय ॥ थक्रवनसा सा कृ वागमय ॥
काक्रवनसा कस कृ वागमय ॥ थथ जल नातिस्वंदसा चानि
व सुह्यहं शानि व नक्रवानसा वाक्रि वागमय ॥ थक्रवान
नक्र वागमय ॥ काक्रवानसा का कृ वागमय ॥ अमृगनाति

हवानसा जिमचा कृ वागमय ॥ जल नातिस्वाक्रग्र
जिमन कृ वागमय ॥ नीवनादिस्वाक्रग्रुहवनसा
मये ॥ थथाक्रग्रहं सोम्यनातिस्वनसा सा कृ वागमय ॥
तिस्वथाक्रग्रहंवनसा रुसवयवा मगमय ॥ याम्य
सुह्यहवनसा वामगमय ॥ सोम्यनातिस्वाययहव
मगमय ॥ कृगुलिनातिस्वंदमा अंगन वृहस्य नि
जलमय शयका व वागमय ॥ कृगुलिनातिस्वथ

ॐ कृष्णस्य निर्वन्दुः अनामय इत्यकाववागमय याग
हना ॥ नसा वात निगमय ॥ निस कना ठि चक ॥ ॥

ॐ नसा या ॥ नान्ध नि स वा क्रस धल दास ल हा ल सा
य ॥ सूर्य ल व व ल स दास ल हा ल सा धन हा नि
नोडा द व ल स क्रय स ल हा ल सा वागमय ॥ संधा काल स
न हा ल सा वागमय ॥ याग या दा व दा व ल स दा व न हा ल
न व न सा सि य ॥ याग या दा व ल स लि व न हा ल

ॐ दा आ सि धू य ॥ याग या दा व दा व ल स ख व स वा
सा स क ल स य लि ता र ॥ ज व स हा ल सा व न म न व
सि य ॥ ॥ अथ का क हा ला या ॥ याग या दा व दा व
ल ख स वा स हा ल सा आ सि द रु य ॥ दा व न वा
सा वा स का दा व हा ल सा म लि सि य ॥ वा दा स वा दा
हा ल सा लो ग आ दि न मि सा ला रु य ॥ ल खा स वा स हा ल
सा ॥ रु य ला य ॥ का था ल ला थ स ॥ दा न सा ध न ला र ॥